सत्यमेव जयते

بلتی فاسکدی ریاخسی شوقبُو
بلتی کی پہلی کتاب
बलती भाषा प्रवेशिका
BALTI PRIMER

CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।

1. प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें
2. क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें
3. स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें
4. लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें
5. उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।

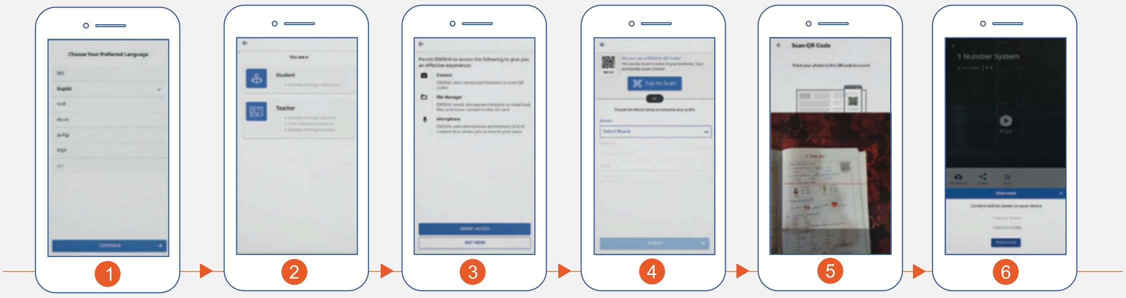

1. अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें
2. अपनी भूमिका चुनें—शिक्षक या विद्यार्थी
3. पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें
4. क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें
5. कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें
6. क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

" जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।"

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

بلتی فاسکدی ریاخسی شوقبُو

بلتی کی پہلی کتاب

बलती भाषा प्रवेशिका

BALTI PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages

(Department of Higher Education, Ministry of Education,GoI)

Manasagangotri, Mysuru - 570 006

Ph: 0821-2515820 (Director)

email: ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

National Council of Educational Research and Training

Sri Aurobindo Marg

New Delhi-110016

Ph: 011 2696 2580

email: dceta.ncert@nic.in

بلتی فاسکدی ریاخسی شوقبُو

بلتی کی پہلی کتاب

बलती भाषा प्रवेशिका

BALTI PRIMER

A basal reader of Balti alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors
Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Sujoy Sarkar
Zargar Adil Ahmad

ISBN: 978-81-973948-9-8

First Edition: May, 2025

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2025
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: G. Yuvaraj
Cover Photo: Ghulam Mohd & Goba Ali

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy

संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चो में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

124 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001
124 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110001
Telephone: +91-11-23382587, +91-11-23381104 Fax : +91-11-23387589
E-mail: secy.sel@nic.in

प्राक्कथन

भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम तो है ही, संस्कृति का एक उपादान भी है। भाषा समुदाय की पहचान होती है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित भी करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है- एक ओर भारत की भाषिक विविधता एवं समृद्धि को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारत के संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं से संबंधित हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित तथ्य है कि बच्चों में भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों- यह किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को 'बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह सशक्त नींव न केवल भविष्य में विद्यालयी एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर) का लक्ष्य छोटे बच्चों या भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से परिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों जैसे-बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी।

शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी द्वारा उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

मई 2025
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका / Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilised efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarises children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

بھارت صدیوں سے ایک کثیر لسانی ملک رہا ہے ، جس میں ملک کے مختلف علاقوں میں بہت سی زبانیں بولی جاتی ہیں۔ ہمارے لسانی مجموعے میں متعدد زبانوں کا استعمال ملک کی ایک عام خصوصیت ہے۔ یہ ہمیں ایک دوسرے سے جوڑتا ہے اور ہمیں متحد رکھتا ہے۔ قومی تعلیمی پالیسی (این ای پی) 2020 اس خیال پر زور دیتی ہے کہ بھارت کی کثیر لسانی نوعیت ایک بہت بڑا اثاثہ ہے جسے ملک کی سماجی، ثقافتی، اقتصادی اور تعلیمی ترقی کے لئے موثر طریقے سے استعمال کرنے کی ضرورت ہے۔ اس میں ہر سطح پر تعلیم میں کثیر لسانیت کو فروغ دینے کی سفارش کی گئی ہے تاکہ سیکھنے والوں کو اپنی زبان میں تعلیم حاصل کرنے کا موقع ملے۔اس طرح تمام بھارتی زبانوں میں تدریسی مواد کی تخلیق اس کثیر لسانی اثاثے کو فروغ دے گی اور اسے 'وکست بھارت' میں بہتر حصہ ڈالنے کا موقع دے گی۔ یہ کہتا ہے کہ این ای پی 2020 کے مطابق ابتدائی گریڈ کے پرائمرز کو تیار کرنے کے لئے ایک جامع اور مکمل نقطہ نظر کی ضرورت ہے جو ہندوستان کے ہر خطے کی منفرد لسانی اور ثقافتی خصوصیات کو حل کرسکے۔ ان پرائمرز کا مقصد نہ صرف پڑھنے اور لکھنے میں زبان کی مہارت فراہم کرنا ہے بلکہ ابتدائی مرحلے کے سیکھنے والوں میں تخلیقی صلاحیتوں اور تنقیدی سوچ کو بھی فروغ دینا ہےیہ کسی زبان کے حروف تہجی اور علامتوں کے حروف کو بیان کرنے ، پہچاننے ، سمجھنے کی کلید ہے۔ یہ بچوں کو ان حروف کے ایک یا ایک سے زیادہ سیٹوں کے معنی سے بھی واقف کراتا ہے جو ان کے امتزاج کے ذریعے بنائے جاتے ہیں جیسے لفظ کی ابتدائی ، درمیانی اور آخری پوزیشنوں میں حروف۔ اس کے علاوہ، یہ ایسی مثالیں فراہم کرتا ہے جو بعد میں متعارف کرائے گئے خطوط کو لکھنے کی مشق کو آسان بناتی ہیں۔ اور نظمیں طالب علموں کو ان کی زبان کی نشوونما اور علمی صلاحیتوں میں مدد کریں گی۔

मई 2025
मैसूरु

प्रो. शैलेन्द्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संसथान

CIIL-NCERT Primer Series: Balti Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra P. Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET), NCERT, New Delhi
RamanujamMeganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Musavir Ahmed, Professor, Department of Linguistics, University of Kashmir, Srinagar
Konchok Tashi, Assistant Professor, University of Jharkhand, Ranchi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru
Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

Member Coordinator

Sujoy Sarkar, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Resource Persons

Ghulam Mohd, Teacher, Govt. Middle School, Gunesthang, Nubra, Leh
Goba Ali, Balti Language Speaker, Turtuk, Nubra, Leh
Sajad Hussain Wani, Assistant Professor, Department of Linguistics University of Kashmir, Srinagar
Hilal Ahmad Dar, JRP, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru
Zargar Aadil Ahmad, Junior Resource Person (JRP), Linguistic Data Consortium of Indian Languages (LDCIL), CIIL, Mysuru

Ifrah Mushtaq, Research Scholar, Department of Linguistics, University of Kashmir, Srinagar
Azka Fatima, Research Scholar, Department of Linguistics, University of Kashmir, Srinagar

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission (NTM), CIIL, Mysuru
Saravanan A S, Graphic Editor, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Puttaraju K, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

پرائمر کو کیسے پڑھائیں

قومی تعلیمی پالیسی ۲۰۲۰ اور قومی نصاب فریم ورک، ۲۰۲۲ میں تین سے آٹھ سال کی عمر کے بچوں کو ان کی مادری زبان، گھریلو زبان، مقامی زبان اور علاقائی زبان میں تعلیم فراہم کرنے کی اہمیت پر توجہ مرکوز کی گئی ہے۔ یہ پرائمر خاص طور پر بچوں کی زبانی زبان کی نشوونما کے لئے ڈیزائن اور تیار کیا گیا ہے اور اس بات کو یقینی بنانے کے لئے کہ بچہ بغیر کسی ہچکچاہٹ کے سمجھے ، سیکھے اور بات چیت کرسکے۔ بچوں کی زبانی زبان کی مہارت کو بڑھانے کے لئے، ہر انفرادی حروف کے اسباق میں دو سے تین جملوں پر مشتمل مختصر گانے یا نظمیں شامل کی گئی ہیں۔ اساتذہ ان گانوں یا نظموں کو اونچی آواز میں گا کر اور پڑھ کر بچوں کو بحث میں مشغول کرسکتے ہیں۔ تین زبانوں کے فارمولے کو ذہن میں رکھتے ہوئے ، اور ہندوستان لسانی طور پر متنوع ملک ہونے کی وجہ سے ، یہ پرائمر بچوں کو نہ صرف اپنی مادری زبان میں الفاظ سیکھنے میں مدد کرتا ہے بلکہ دوسری زبان سے بھی واقف ہوتا ہے۔

آواز کا تعارف: بچے تصویر دیکھنے کے بعد چیز کا نام بتائیں گے۔ استاد پوچھے گا، تصویر کا نام کس آواز سے شروع ہوتا ہے؟ ۔ مثال کے طور پر بلتی میں 'انچن' کا لفظ کیا ہے؟ 'انچن' کی تصویر دیکھنے کے بعد ، بچے پہچانیں گے کہ یہ آواز 'ا' سے شروع ہوتا ہے۔

حروف تہجی کا تعارف: استاد سب سے پہلے بچوں کو بتائے گا کہ حروف تہجی 'ا' کیسا نظر آتا ہے۔ ایک بچے سے کہا جائے گا کہ وہ کچھ دیئے گئے الفاظ سے حرف 'ا' کی شناخت کرے۔ تین چار الفاظ میں سے بچے حرف 'ا' کی آواز کا تلفظ کریں گے اور حرف 'ا' لکھنے کی مشق کریں گے۔

پڑھنا: بچے تصاویر دیکھیں گے اور اپنی زبان میں الفاظ کہیں گے۔ حروف 'ا' کے تعارف میں بچے اپنی انگلیوں کو دائیں سے بائیں طرف منتقل کرکے 'انچن' پڑھیں گے۔ دوسرے الفاظ کو پڑھنے سے ، خاص طور پر وہ الفاظ جہاں 'ا' ہوتا ہے ، بچے 'ا' کو پہچانیں گے اور اس کا تلفظ کریں گے۔ استاد لفظ کے آغاز، وسط اور آخر میں ایک خط کے وقوع کے بارے میں بتائے گا۔ بلیک بورڈ پر 'ا' پڑھنے کے دوران استاد لفظ 'انچن' کے ساتھ تین چار دیگر الفاظ بھی لکھے گا اور وہ بچوں کو ایک ایک کرکے پکارے گا۔بچوں کو حروف تہجی، الفاظ اور آوازوں کو متعارف کرانے کے لئے، پرائمر ان الفاظ کو استعمال کرنے کی کوشش کرتا ہے، جو بچوں سے واقف ہیں. بچے کتاب میں موجود تصاویر کو دیکھ کر ان الفاظ کو پہچان سکے گے. بچے اس پرائمر کو اپنی زبان میں پڑھنے میں آسانی محسوس کریں گے۔ استاد ایک لفظ لکھے گا اور بچوں سے کہے گا کہ وہ اس کے ہر حرف کو الگ الگ پڑھیں، اور حروف کو جوڑ کر بھی اس لفظ کو پڑھیں۔ جب کوئی بچہ کوئی لفظ پڑھتا ہے تو دوسرے بچے اس کے ساتھ شامل ہوتے ہیں اور اس لفظ کو دہراتے ہیں، اسے اجتماعی مطالعہ کہا جاتا ہے۔

تحریر: اساتذہ سب سے پہلے بچوں کو لفظ 'انچن' کا 'ا' لکھنا سکھائیں گے۔ استاد دکھائے گا کہ لکھنے کے لئے قلم کو دائیں سے بائیں طرف کیسے منتقل کیا جائے۔ اسے معاون تحریر کہا جاتا ہے۔ اس کے بعد بچے کتاب میں دی گئی خالی جگہ میں دوسرے حروف کو دیکھ کر خود 'ا' لکھیں گے۔ اساتذہ بچوں کی مدد کریں گے جب وہ پڑھ رہے ہیں اور لکھ رہے ہیں۔

بچوں کی زبانی زبان کی نشوونما کے لیے ہر صفحے پردو تین جملوں کی چھوٹی چھوٹی نظمیں لکھی گئی ہیں۔ استاد اسے گا کر اور پڑھ کر بچوں کو دہرانے کے لیۓ بولیں گے۔ اسکول کی لائبریری میں دستیاب بچوں کی کہانی کی کتاب پڑھنے کے بعد ٹیچر بچوں کی زبان میں کہانی پر تبادلہ خیال کریں گے۔ یاد رکھیں کہ بچوں کو ان کی مادری زبان میں کہانیاں اور نظمیں سنانی چاہئیں۔

مندرجہ ذیل لائنوں کو دیکھیں اور دی گئی جگہوں میں کھینچنے کی کوشش کریں:

کھڑی لکیر :

افقی لکیر :

ٹیڑھی لکیر ۱ :

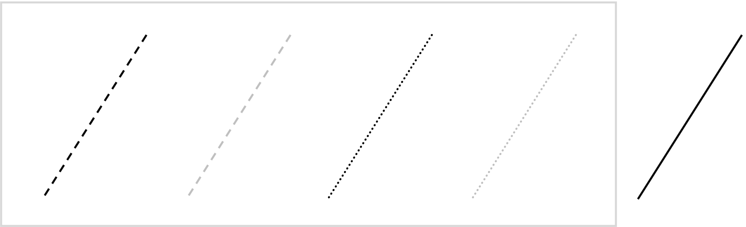

ٹیڑھی لکیر ۲ :

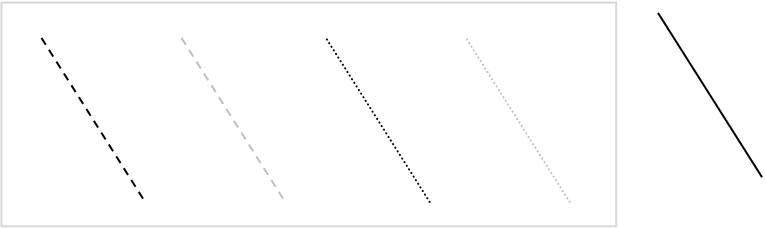

منحنی لکیر ۱ :

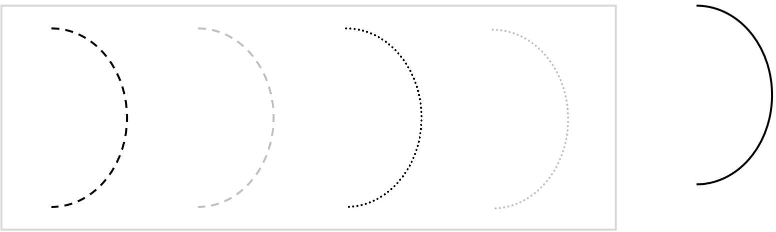

منحنی لکیر ۲ :

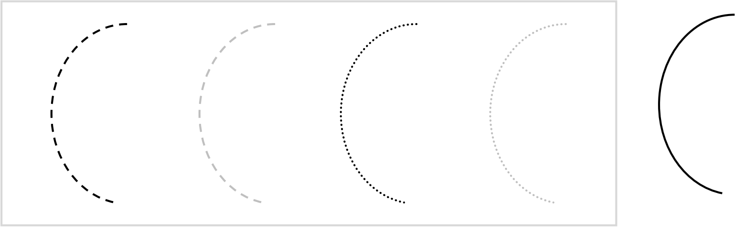

نوٹ: استاد یہ سکھائے گا کہ قلم کو کیسے پکڑا جائے اور فراہم کردہ جگہوں میں لکیریں کھینچی جائیں۔

حروفِ تہجی

ا	ب	پ	پھ	ت
تھ	ٹ	ٹھ	ث	ج
ڃ	چ	ڇ	چھ	ح
خ	د	ڈ	ذ	ر
ڑ	ز	ڙ	ڙھ	س
ش	ݜ	ص	ض	ط
ظ	ع	غ	ف	ق
ک	گ	ڭ	ل	م
ن	نٚ	و	ہ	ی
ے				

اضافی حرف

او	

حرکات

◌َ	آ	◌ُ	◌ٗ	◌ِ

ا

انچن

طاقتور

آپو لا ژھوے سکے سید انچن

می ژھانگہ جیکسے یود انچن

ازوق	نیاغا	سکابا
پوری	من ترازو	سنسی

ا ا ا

ب

بیا

چوہا

میڑھے ہرکوُسے سقفو بیا کھیرس

باہو	زدمبُور	میک کھرب
غار	پکڑ	عینک

ب ب ب

پ

پولو

گیند

ژھرنگ میدنا پولو ہرژیس

بولون میدنا چھولو ہرژیس

پڑق

جڑ

پاغن

ٹماٹر

پُولا

جوتا

پ پ پ

پھ

پھڑا

بوری

سا ماگیِد پا نِید تاثٛید

ستونلا پھژینگ چی تاثٛید

پھاہیاق	پھُولتوق	بیاپھرُو
یاک	سوڈا	چوزہ

پھ پھ پھ

ت

تخشا

چھوٹی الماری

ساق مازیربا کھوانگ شورید

سوقبو تخشینگ نو بورید

توقلے	سترین	توقژے
چھوٹی کڑھائی	کیڑا	کدال

ت ت ت

تھ

تھقپہ

رسی

سناپے ربُول تھونگسے
رگیابی تھقپہ جگس

تھود	تھب	تھوقما
عمامہ	چولھا	پھال

تھ تھ تھ

ٹ

ٹکوُ

ہاکی چھڑی

چُھو ساکوُ سونگ

کانگمو ٹکوُ سونگ

ٹیک	موقٹو	گٹ
تکمہ	بھاپ برتن	گرہ

ٹ ٹ ٹ

ٹھ

ٹھوُو

کیتلی

ٹھوُو تھوقلہ فیال لا یود

نونو لقستونگ بروقلا یود

ٹھٹھیل	رنٹھق	بینٹھو
پہاڑی چُوہا	پانی کی چکی	پولو چھڑی

ٹھ ٹھ ٹھ

ث

ثِیا

جنگلی گُلاب

ثیا سیرپوے مندوق لا غدیانگ چی مید
اتے بوُلا ننگ چی مید

ثولبا	ثوخما	ثیاسیر
لکڑی کا کوئلہ	پرالی	پیلا گلاب

ث	ث	ث	

ج

جنڈہ

جیب

جند ینگ کھرا مید نا
کھینگ کھرا میدا

جینگما

گردن

لجقسپا

لگام

منجہ

چارپائی

ج ج ج

ڄ

ڄینگ

کھیت

میڑھے گیدفی ڄینگ پو
ڄق چیگینگ نُو بیوا کلس

ڄولی

جھاڑو

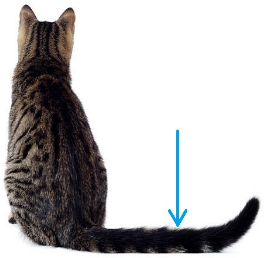

ڄُندو

دُم

ڄور

پھاوڑا

ڄ ڄ ڄ

چ

چوقڑے

چھوٹی میز

چوقڑے کھا چا سترونگسے یود
لُود پو چینگ پینگ سپونگسے یود

چژق

چاۓ چھنّی

ہرچو

دس

چُولی

خوبانی

چ چ چ

ڇون برانگ

ڇ

متھانی

ڇون برانگ کھوُرےکھو بروقلا گوید
سکمبو بانگ پو چھونلہ سوید

ڇونپا	باڇو	ڇودفنگ
دودھ دوہنے والا	مٹکا	تکلا

ڇ ڇ ڇ

چھ

چھودونگ

کُنواں

چھودونگ پوینگ چھومید

کوکھن چی سوُمید

چھرا	چھو	چھہ
کمبل	پانی	السی

چھ	چھ	چھ	

ح

حبُو

کیڑے

حبُو کوُنی ژھانگ چی ہلچوید

شمشیر پی فروس ننگ چی ہلچوید

حیانگ	حلمان	حنگو
پتھر کا توا	میٹھی خوبانی	لکڑی کی کٹوری

ح	ح	ح	

خ

خشق

میکپی پرندہ

خشق لا سپیرا ماتھوب نا
ژھنگ شیگید

خلنگ	خُل	خوسور
بیل	کونپل	کدو کا برتن

خ	خ	خ	

د

دنمو

جنگلی بکری

دنمو سی داریُو کھیدے

سپانگ چھوغوا مو کھوربا گوید

دوخمو	چوبُدون	تھود
گڑگڑ	سترہ	پگڑی

د د د

ڈ

ڈامن

ڈھول

ہرڑے کھن مید پی ڈامن
غدیانگ میدپی رگاکھن

ڈوق	ڈنگ ڈنگ	ڈُوو
ٹیلہ	طبلہ	کناری

ڈ ڈ ڈ

ذ

ذربو

لکڑی کی کرچھی

زانی ذربُو

فے میدپی ہرکیلبُو

ذان

کھانا

ذدیر

بلتی کھانا

ذدار

سان

ذ ذ ذ

ر	رِیونگ
	خرگوش
	ریونگ لوقسے اونگمی ننگ چی مید ریونی سولا غدیانگ چی مید

		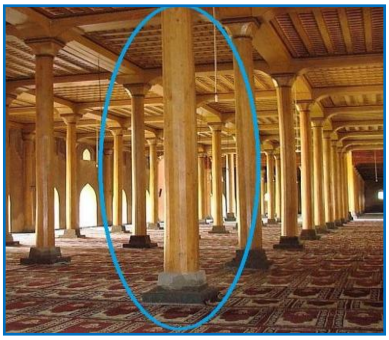
رُبُوس	سترگا	میوُر
ستون	اخروٹ	مور

ر	ر	ر	

ڑ

ڑگیام ژھو

دریا

شیس می زیربوپا
ڑگیام ژھوینگ چھونگمو ڑگیال

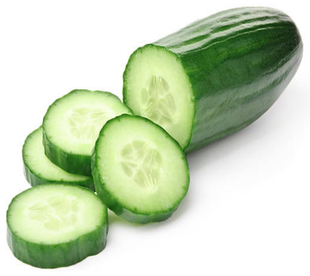

ڑگیانگ	لڑاثو	لڑو
دِیوار	مینڈک	کھیرا

ڑ ڑ ڑ

ز

زانگبُو

برتن

شیس مید پی میو پاڑے
ستونگمہ زانگبُو ڑگیال

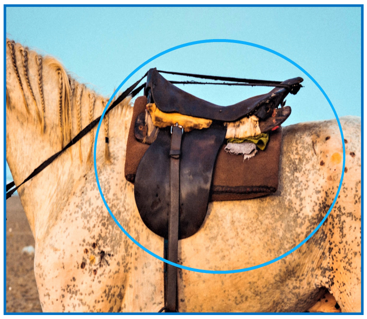

زِگا	چزگہ	سیڻاز
کاٹھی\زین	ادرک	سرہانہ

ز ز ز

ژ

ژونگ

پیاز

پینے اونگمی وخلا

ژونگ نا سنیر مینگ نا اوٹید

ژینو

پائجامہ

ہڑژی

سیاہی

لبژے

کٹا ہوا اناج

ژ ژ ژ

ژھ

ژھِمک

پُودینہ

ننگپولا تانگسیے لمیک
ژُھونگما گوید داربے ژھمک

ژھِک

پیسنے کا پتھر

ژھوق سکیُور

لیہہ بیری

ژھونما

سبزی

ژھ ژھ ژھ

س

ستریقپہ

چکور

ستریقپہ یُولّا بیوربا یود

دِریس پوگوانا شوربا یود

سکوربو

پن چکی کا پنکھ

ربسل

دوسری منزل

کسے

مکھن کا ڈبہ

س س س

ش

شول

ہل

شول لا ٹیانگسے
خلنگ ستروغید

شنگکو	کُوشُو	اپُوش
بھیڑیا	سیب	گلی ڈنڈا

ش ش ش

ش

شالو

زُلفیں

بیور لزوقس شالو لا مار سکوسے
ساق زیربی توسلا گو زگوسے

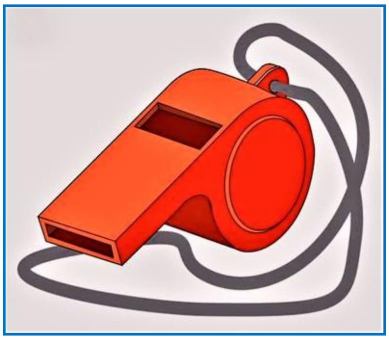		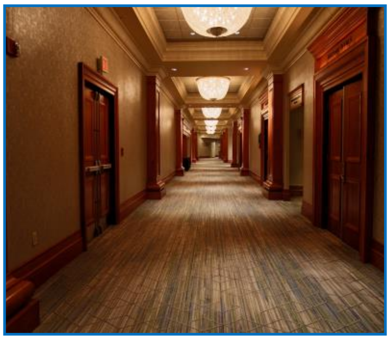
شویت	شُو	شول
سیٹی	نا ک	راہداری

ش ش ش

ص

صوا

چارا

لوکھور پو زوسے صوا
مادرنگسا کھیری ہلتوا

صوا	صور	خصُروب
چوکر	پیچ کس	انگوٹھی

ص ص ص

ض

ضدونگپو

بڑی لکڑی

ضدونگپو یودنا شینگ ژل لا ما سونگ

ژھرما می یودنا تم ژل لا ما سونگ

ضوا	با ضو	ضگوقپہ
لکڑی کی بالٹی	اخورا	لہسن

ض ض ض

طومار

زیور

ط

آنے نونوے برانگپی کھا
ہرمُولی مندوق نا طومار

طوط	خطبر	طاق
پیال	خطبرگ	طشتری

ط ط ط

ظ

ظوہور

لکڑی کا اوٗن دان

ظوہور پوینگ نوبل تانٚید

قارپولا کھوفل تانٚید

بظما	ظرونگبُو	ظوق
فاھقہ	چورسی	آلو

ظ ظ ظ

ع	عوت
	چراغ

سنینگیی عوت میدکھن جرباِن

سکیور جوکفو درباِن

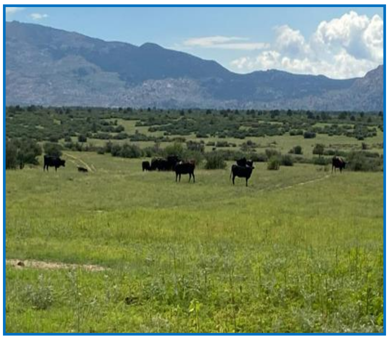

عول	عونگبُو	سوع
گھاس کا میدان	لال لکڑی کا پیڑ	دانت

ع	ع	ع	

غ

غون

کدّو

غون نا پاغن ژھونما اِن

ساق میزرکھن ہرکونما اِن

غدونگ	فڑوغ	غبیرپا
چہرہ	کوا	سفیدہ پیڑ

غ غ غ

ف

فُرغون

کبوتر

فر غون نا سترقپہ

بونگبُوی جنگما تھقپا

فاڑینگ

خشک خوبانی

فونگ

بڑا پتھر

فوتونگ

قمیض کا بازو

ف ف ف

ق

قار

چادر

بلِی قار گونکھن ژھانگماآتا میگواد

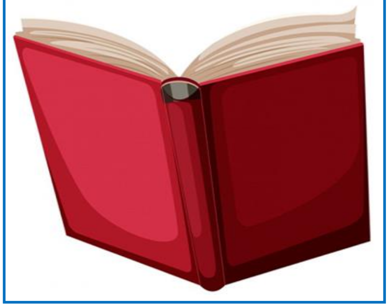

قلیب	شوقبُو	یلدق
سانچہ	کتا ب	ٹہنی

ق ق ق

ک

کوات

پتھر کا برتن

چُپ چدفی می
کھا چدفی کوات

کھیم	مِک	لیمیک
بیلچہ	آنکھ	چابی

ک ک ک

گ

گو

سر

گو چھو غوخلت مید

سنینگ چھو غوخسم مید

گربا	گونگمو	ننگ
لوہار	ہمالیائی چکور	گھر

گ گ گ

ڭ

ڭمبا

گال

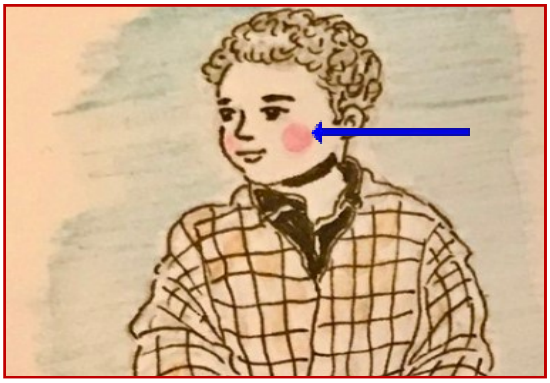

ڭمبینگ نو چِک فوقپانا

شوقبوی لوثو نروقسے نا

اے فُرو ژھانگما دروقسے نا

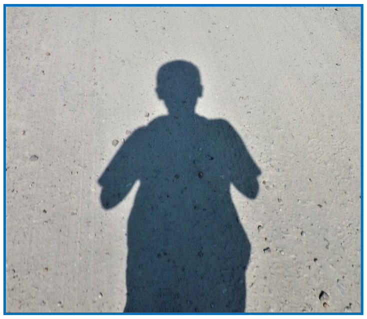

ڭون کھنگ	ڭم فق	ڭرمو
مہمان خانہ	سایہ	یاک گائے کی ایک نسل

ڭ ڭ ڭ

ل

لوٹا

پتّا

چولی لوٹا کورکور ہلچوکھن اشی

ہلچنگمے لوٹا رینگمو ہلچوکھن اشی

لقپہ	ہرکیلبُو	لواق
ہاتھ	تھیلی	بھیڑ

ل ل ل

م	مِندوغ پھول

مندوغی ہربق ہسکی خسُوم

زبیاری ہربق چوغا خسُوم

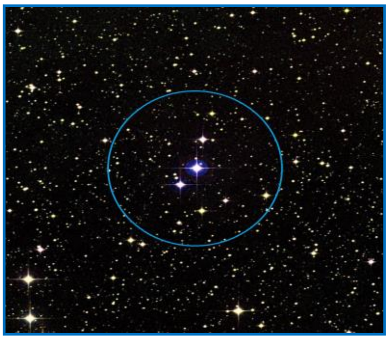

مُولُو	سکرمہ	ژگیالم
شلجم	ستارہ	سڑک

م	م	م	

ن

نتِینگ

ٹوپی

بلتی اِن دی فرونی مینگ

گوے کھا یود کار پو نتینگ

نقپو

کالا

چوڑونگ

ٹوکری

فوغون

چمچ

ن ن ن

نٚ

نٚیہ

مچھلی

نٚیانا ژوخ شُوک یود
چُھونا ژوخ سنگ یود

نٚیما	زنٚگ	سطرنٚ
سُورج	پتیلا	قالین

نٚ نٚ نٚ

و	واڑے
	لومڑی
	واڑے ستابی کھا سینگے سکید پینگ نا فُود

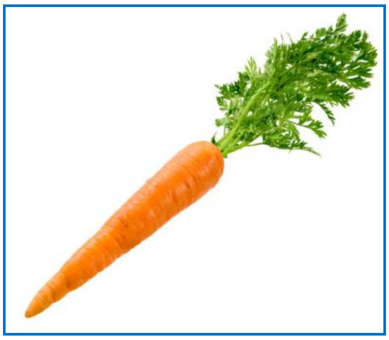		
ولاپھرو	شُوگپہ	گونمو
گاجر	صنوبر	کرتہ

و	و	و	

ه

ہرتا

گھوڑا

ہرتا تھیگ بانگ گنگ

می تھیگ گوم گنگ

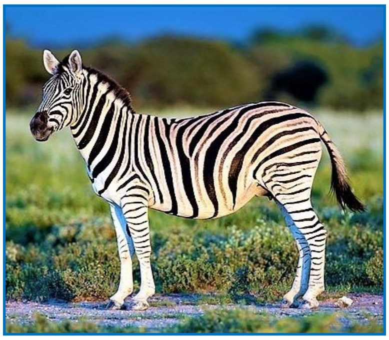

ژہوہرتا	ہرژو	ہلدو
زیبرا	بادام	گول پوسٹ

ه ه ه

ی

یلدق

ٹہنی

یلدق بیابیون لا کھر شیسید

یلداقی اوقتو ژھر شیسید

سمینما	سینگے	فلی
بھنویں	شیر	کنگورہِ ستون

ی ی ی

ے

یُونگفے

ہلدی

یونگفے چھوغو سمن چی اِن
مولو ولا پھُری برنچی اِن

ہرژےکھن

رقاصہ

شینگفے

بُرادہ

جبژے

چمٹی

ے ے ے

او

اوسے

شہتوت

گوپا کھینگ اونگمی فرخمول پو
ثاتی جومبو اوسےاسُوک

اوزر	اوژق	لوقفی اونٚہ
دودھ ناپنے کا پیالا	دودھ چھلنی	دہی

او او او

سپے	سپے	برتق
کَھمچُو	شَت	◌َ
آنٚا	آتا	آ
خُشول	بونگبو	◌ُ
	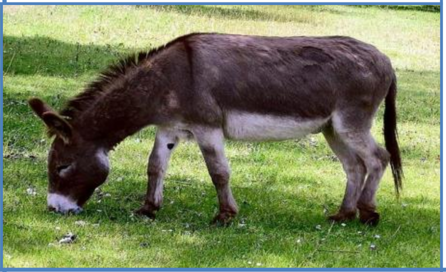	
غُربوٗ	سکوربوٗ	◌ٗ
اِسمن	اِیچو	◌ِ

ہرژیروُک			
1	چک	ایک	
2	نیس	دو	
3	خسوُم	تین	
4	بجی	چار	
5	غا	پانچ	
6	ٹُروک	چھ	
7	بڈُون	سات	
8	رگیاد	آٹھ	
9	رگُو	نو	
10	فسچُو	دس	

11	چُورچیک	گیاره	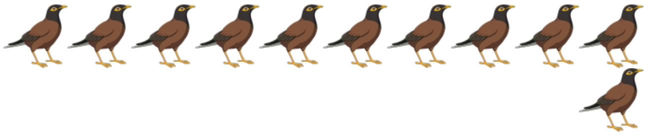
12	چوٹیش	باره	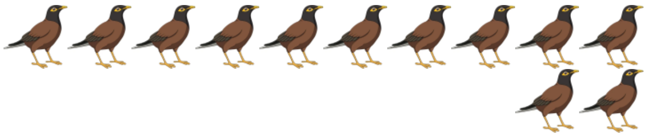
13	چُوگسُوم	تیره	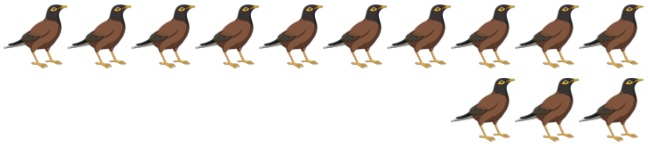
14	چُوبجی	چوده	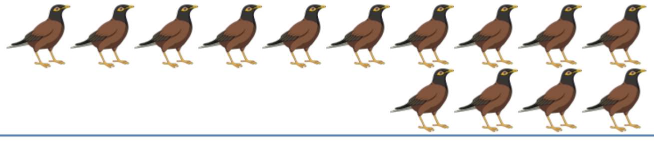
15	چوغا	پندره	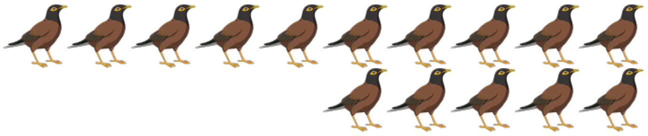
16	چُروک	سولہ	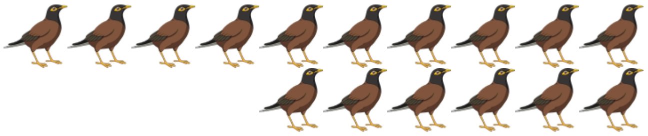
17	چُوبُرون	ستره	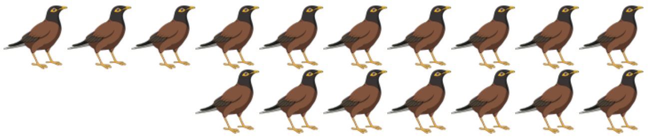
18	چَوبگیاد	اٹھارا	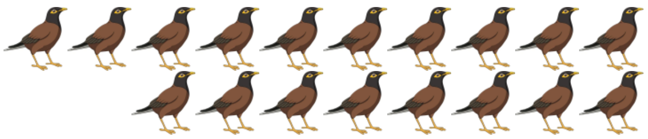
19	چُورگُو	انیس	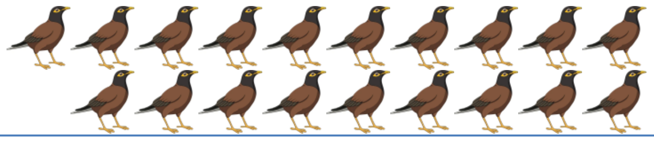
20	ٹیشو	بیس	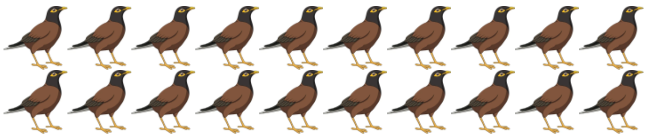

گنتی لکھیں				
1	1	1	1	
2	2	2	2	
3	3	3	3	
4	4	4	4	
5	5	5	5	
6	6	6	6	
7	7	7	7	
8	8	8	8	
9	9	9	9	
10	10	10	10	

11	**11**	**11**	**11**	
12	**12**	**12**	**12**	
13	**13**	**13**	**13**	
14	**14**	**14**	**14**	
15	**15**	**15**	**15**	
16	**16**	**16**	**16**	
17	**17**	**17**	**17**	
18	**18**	**18**	**18**	
19	**19**	**19**	**19**	
20	**20**	**20**	**20**	

اردو حروف تہجی				
ا	ب	پ	ت	ٹ
ث	ج	چ	ح	خ
د	ڈ	ذ	ر	ڑ
ز	ژ	س	ش	ص
ض	ط	ظ	ع	غ
ف	ق	ک	گ	ل
م	ن	و	ہ	ء
ھ	ی	ے		

حرکات				
◌َ	آ	◌ُ	◌ٗ	◌ِ

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

1. Install ePathshala Scanner app from Play Store and open
2. Get ready with QR code scanning window
3. Place scanner above the QR code
4. Select and click on the link
5. Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA**

1. Select preferred language
2. Choose your role: Student or Teacher
3. Grant access and allow app permissions
4. Tap to scan the QR code
5. Focus camera on the QR code in textbook
6. Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
1	ANAL	12	HALABI (HALBI)	23	KONDA	34	MANIPURI	45	SANTALI (WEST BENGAL)
2	ANGAMI	13	HMAR	24	KORKU	35	MAO	46	SAVARA (SORA)
3	AO	14	JATAPU (KUVI)	25	KOYA	36	MISHMI	47	SHERPA
4	ASSAMESE	15	JUANG	26	KUI	37	MISING	48	SÜMI (SEMA)
5	BHUTIA	16	KABUI (RONGMEI)	27	KUKI	38	MIZO	49	TAMANG
6	BODO	17	KARBI	28	KURUKH/ORAON	39	MOGH	50	TANGKHUL
7	DEORI	18	KHANDESHI	29	KUWI	40	MUNDARI	51	TANGSA
8	DESIA	19	KHARIA	30	KUZHALE (KHEZHA)	41	NEPALI	52	TIWA (LALUNG)
9	DIMASA	20	KINNAURI	31	LIANGMAI	42	NYISHI (NISSI)	53	TULU
10	GADABA (GUTOB)	21	KISAN (KUNHU)	32	LIMBU	43	RAI	54	WANCHO
11	GARO	22	KODAVA (COORGI/KODAGU)	33	LOTHA	44	SANTALI (ODISHA)		

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
55	ADI	60	HO	65	KOM	70	MARAM	75	RENGMA
56	BHUMIJ	61	KHIAMNIUNGAN	66	KONYAK	71	NOCTE	76	SHINA
57	CHANG	62	KOCH	67	LADAKHI	72	PASHTO	77	TAMIL
58	GONDI	63	KODA (KORA)	68	LEPCHA	73	POCHURY	78	TIBETAN
59	HALAM	64	KOLAMI	69	MARA (LAKHER)	74	RABHA	79	YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE)

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-III (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
80	BENGALI	85	GUJARATI	90	KORWA	95	MARATHI	100	ODIA
81	BHILI	86	KANDHA (KONDH)	91	LAHAULI	96	MARING	101	PARJI (DURUA)
82	BISHNUPRIYA MANIPURI	87	KANNADA	92	MAITHILI	97	MONPA	102	PHOM
83	CAR NICOBARESE (PÜ)	88	KHASI	93	MALAYALAM	98	MUNDA	103	PUNJABI
84	DOGRI	89	KONKANI	94	MALTO	99	NANCOWRY (MÖŪT)	104	TELUGU

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-IV (13)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
105	BALTI (PERSO-ARABIC)	108	GONDI-TELUGU	111	LAI (PAWI)	114	SINDHI (DEVANAGARI)	116	URDU
106	BHILI (WAGDI)	109	KASHMIRI (DEVANAGARI)	112	SANGTAM	115	SINDHI (PERSO-ARABIC)	117	ZEME (ZEMI)
107	CHOKRI	110	KASHMIRI (PERSO-ARABIC)	113	SANTALI (JHARKHAND)				

PRIMERS UNDER PREPARATION (8)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
118	GANGTE	120	KOKBOROK (TRIPURI)	122	SANSKRIT	124	VAIPHEI
119	HINDI	121	PAITE	123	THADOU-KUKI	125	ZOU

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in